तर्ज--मेरा दिल तोड़ने वाले

मेरे महबूब मेरे श्यामा रूहों के वो सहारे है
रूहें उनमे ही बसती है रन्हों के वो नजारे है

1-उठाकर पान की बीड़ी दबा कर मुख में जब डाले
गरक होत देख मोमिन अदाओं से लुभाते है

2--सूरत उनकी तो अमरद है सलोने रस भरे नैना
ये उनकी मदभरी नजरें, हेत करके बुलाते है

3-वो मस्ती भरके आखों में नजर में जब नजर डालें
दिल पे बिजली सी गिरती है,वो लज्जत जब पिलाते है

4--चश्म ए दीद में जादू खैंच लेते है पलको में
बैठ कर जाम खिलवत में वो पैदरपे पिलाते हैं

Nijanand App